सरी दुनिया बसे हे दाई

सारी दिनिया बसे हे दाई तोर चरन मा ।
महू ला राख लेते दाई तोरे सरन मा ।
मै हा हवाव तोर आधारी, ऐ वो दुर्गा मोर महतारी ।
महू ला राख लेते दाई तोरे सरन मा ।
सरी दुनिया.....

तोर परसादी माया नगर मा पाये हमनखे के चोला ॥
मोर गति बस तोर भरोशा जानत हावव बस तोला ॥
रखले चरन मा सेउक बनाके,भगत के फुटहा भाग ला जागाके
महू ला राख लेते दाई तोरे सरन मा ।
सरी दुनिया.....

कतको तरगे तोर चरन मा, मोर मूड़ ऊपर घलो रखदे ॥
सेवा करत दिन पहावत जाये,अतका किरपा अउ करदे ॥
जनाव नहीं पूजा बिधियाआनी बानी,
भगत कहा के गौतम करथे नादानी
महू ला राख लेते दाई तोरे सरन मा ।
सरी दुनिया.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33918/title/sari-duniya-base-he-dai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |